Untitled

जावादे जावादे जोगी किसका मीत।
सदा उदासी रहै मोरि सजनी निपट अटपटी रीत।
बोलत बचन मधुर से मानूँ, जोरत नाहीं प्रीत।
म्हें जाणूँ या पार निभैगी, छाँड़ि चलै अधबीच।
मीराँ के प्रभु स्याम मनोहर, प्रेम पियारा मीत।।